ISSN-2278-5655

AMIERJ

Aarhat Multidisciplinary International Education Research Journal

Volume–X, Issues– II Jan –Feb 2021

बी.एड.व्दितीय वर्ष(२०२०) छात्राओं का ऑनलाईन स्कूल अनुभवों की प्रभावशीलता का अध्ययन

डॉ.तारसिंग नाईक

सहाय्यक प्राध्यापक

शासकीय अध्यापक महाविद्यालय, रत्नागिरी

सार :

इस अध्ययन ने छात्र शिक्षक पर ऑनलाईन स्कूल के अनुभवों की प्रभावशीलता की पहचान करने की मांग की। स्कूल में संचार, अवलोकन बातचीत तकनीकों का उपयोग करके छात्र शिक्षक का अनुभव करता है। विद्यालय के अनुभवों में छात्र शिक्षक ज्ञान और जानकारी का विकास करता है। छात्र शिक्षक को पुतली मनोविज्ञान का बुनियादी ज्ञान नहीं है, छात्र शिक्षक उन मूल आग्रह का पालन करते हैं जो पुतली के व्यवहार को उत्तेजित करते हैं और उनके नेतृत्व का गुण विकसित करते हैं। इस कार्यक्रम में छात्र शिक्षक विद्यालय में की जाने वाली सभी गतिविधियों का पर्यवेक्षण करते हैं। कोविड-१९ ने एक अभूतपूर्व स्थिती पैदा कि है और पुरे देश में शिक्षा क्षेत्र पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है। छात्रों की बढती संख्या अब ऑनलाईन शिक्षा के लिये चयन कर रही है। तकनिकी प्रगति के इस युग में शिक्षक शिक्षा संस्थानों के छात्र वेब के माध्यम से प्रभावी प्रशिक्षण ले रहे है। बी.एड. व्दितीय वर्ष कें सेमेस्टर -३ के ११ छात्रों के अंको का उपयोग यह निर्धारित करने के लिए किया गया था। यह शोध पत्र छात्र शिक्षक पर स्कूल के अनुभवों की प्रभावशीलता की जांच करता है।

महत्वपूर्ण शब्द – *अनुभव, आन्तरक्रीया, तकनीक, भागीदारी, स्कूल, अवलोकन , ऑनलाईन ।*

CC BY Aarhat Publication & Aarhat Journals is licensed Based on a work at http://www.aarhat.com/amierj/

पारंपरिक शिक्षा का अर्थ था कक्षा के अंदर बड़े पैमाने पर की जाने वाली औपचारिक शिक्षा। जीवन में हर अनुभव, पालने से कब्र तक की हर गतिविधि को शिक्षा माना जाता है। बुक अध्ययन को अब पूरी शिक्षा नहीं माना जाता है और प्रशिक्षण के अन्य रूपों से वांछनीय लाभ प्राप्त करने के लिए एक सार्थक प्रयास किया जा रहा है। नेशनल करिकुलम फ्रेमवर्क (NCF) 2005 शिक्षक पर विभिन्न मांगों और अपेक्षाओं को रखता है, जिन्हें प्रारंभिक और निरंतर शिक्षक शिक्षा दोनों द्वारा संबोधित किया जाना चाहिए। राष्ट्र की स्कूल प्रणाली के लिए सक्षम शिक्षकों का महत्व किसी भी तरह से अधिक हो सकता है। यह सर्वविदित है कि सीखने की उपलब्धि की गुणवत्ता और सीमा मुख्य रूप से शिक्षक क्षमता, संवेदनशीलता और शिक्षक प्रेरणा द्वारा निर्धारित की जाती है। यह भी सामान्य ज्ञान है कि शैक्षिक लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए शिक्षकों के शैक्षणिक और व्यावसायिक मानक आवश्यक शिक्षण परिस्थितियों के एक महत्वपूर्ण घटक का गठन करते हैं।

छात्र शिक्षक पूर्ण, सटीक, प्रत्यक्ष और प्रथम-हाथ की जानकारी प्राप्त करता है। पेशे और वास्तविक जीवन के बीच स्कूल अनुभव। डब्ल्यू.एम. ग्रेगरी ", शिक्षा को आधुनिक जीवन के बुनियादी अनुभवों से बहुत दूर कर दिया गया है। कई स्कूलों में अर्थ बोध, अन्वेषण और कच्चे अनुभवों के अवसरों की काफी कमी है। उन्हें कम शब्दों और अधिक गतिविधियों की आवश्यकता होती हैं।

पहला पत्राचार और दूरस्थ शिक्षा शैक्षिक कार्यक्रम १८०० के मध्य में लंदन विश्वविद्यालय द्वारा शुरू किए गए थे। शैक्षिक सीखने का यह प्रतिमान डाक सेवा पर निर्भर था और इसलिए बाद की उन्नीसवीं शताब्दी तक अमेरिकी में नहीं देखा गया था। यह १८७३ में था जब बोस्टन में पहला आधिकारिक पत्राचार शैक्षिक कार्यक्रम माना जाता है, मैसाचुसेट्स में "होम स्टडीज को प्रोत्साहित करने के लिए सोसायटी" के रूप में जाना जाता था। तब से, गैर-पारंपरिक अध्ययन में वृद्धि हुई है, जिसे आज एक अधिक व्यवहार्य ऑनलाइन अनुदेशात्मक साधन माना जाता है। तकनीकी उन्नति ने दूरस्थ शिक्षा पाठ्यक्रमों की गति और पहुंच को बेहतर बनाने में मदद की; अब दुनिया भर के छात्र अपने घरों के आराम से कक्षाओं में भाग ले सकते हैं। ऑनलाइन और पारंपरिक शिक्षा में कई गुण हैं। छात्रों को अभी भी कक्षा में भाग लेने, सामग्री सीखने, स्वाध्याय लिखना और समूह परियोजनाओं को पूरा करने की आवश्यकता है। हालांकि, शिक्षकों को अभी भी पाठ्यचर्या डिजाइन करना है, अनुदेशात्मक गुणवत्ता को अधिकतम करना है, कक्षा के प्रश्नों का उत्तर देना है, छात्रों को सीखने के लिए प्रेरित करना है, और ग्रेड असाइनमेंट देना है। इन बुनियादी समानताओं के बावजूद, दोनों तौर-तरीकों के बीच कई अंतर हैं। परंपरागत रूप से, कक्षा निर्देश शिक्षक-केंद्रित होने के लिए जाना जाता है और छात्र द्वारा निष्क्रिय सीखने की आवश्यकता होती है, जबकि ऑनलाइन निर्देश अक्सर छात्र-केंद्रित होते हैं और उन्हें सक्रिय सीखने की आवश्यकता होती है।शिक्षक-केंद्रित या निष्क्रिय शिक्षा में, प्रशिक्षक आमतौर पर कक्षा की गतिशीलता को नियंत्रित करता है। शिक्षक व्याख्यान और टिप्पणियां करते हैं, जबकि छात्र सुनते हैं, नोट्स लेते हैं, और प्रश्न पूछते हैं। छात्र-केंद्रित, या सक्रिय शिक्षण में, छात्र आमतौर पर कक्षा की गतिशीलता का निर्धारण करते हैं क्योंकि वे स्वतंत्र रूप से जानकारी का विश्लेषण करते हैं, प्रश्नों का निर्माण करते हैं, और प्रशिक्षक से स्पष्टीकरण मांगते हैं। इस परिदृश्य में, शिक्षक, छात्र नहीं, सुन रहा है, तैयार कर रहा है, और प्रतिक्रिया दे रहा है (सालेडो, २०१०)।

शिक्षा में, बदलाव सवालों के साथ आता है। ऑनलाइन शिक्षा की सभी मौजूदा रिपोर्टों के बावजूद, शोधकर्ता अभी भी इसकी प्रभावकारिता पर सवाल उठा रहे हैं। संगणक -सहायता प्राप्त शिक्षण की प्रभावशीलता पर अभी भी अनुसंधान किया जा रहा है। ऑनलाइन शिक्षण को कक्षा शिक्षण के लिए एक व्यवहार्य विकल्प है या नहीं यह निर्धारित करते समय लागत-लाभ विश्लेषण, छात्र अनुभव और छात्र के प्रदर्शन पर अब सावधानी से विचार किया जा रहा है। यह निर्णय प्रक्रिया संभवत: भविष्य में आगे बढ़ेगी क्योंकि प्रौद्योगिकी में सुधार होगा और छात्र बेहतर सीखने के अनुभवों की मांग करेंगे। इस प्रकार, "ऑनलाइन पाठ्यक्रमों की प्रभावकारिता पर साहित्य विस्तार और विभाजित है" (ड्रीस्कॉल एटी एल,२०१२)। कुछ अध्ययन पारंपरिक कक्षा निर्देश का पक्ष लेते हैं, जिसमें कहा गया है कि "ऑनलाइन शिक्षार्थी अधिक आसानी से छोड़ देंगे" और "ऑनलाइन शिक्षा दोनों छात्रों और प्रशिक्षकों के लिए प्रतिक्रिया की कमी हो सकती है" (एटली एट अल।, २०१३)। इन कमियों के कारण, छात्र प्रतिधारण, संतुष्टि और प्रदर्शन से समझौता कर सकते

हैं। पारंपरिक शिक्षण की तरह, दूरस्थ शिक्षा के भी अपने वैज्ञानिक हैं, जो ऑनलाइन शिक्षा को औसत करते हैं, जो छात्रों को उनके पारंपरिक कक्षा समकक्षों (वेस्टहुईस एट अल।, २००६) से बेहतर या बेहतर प्रदर्शन करते हैं।

दोनों अनुदेशात्मक तौर-तरीकों के फायदे और नुकसान को पूरी तरह से दूर करने की जरूरत है और सही मायने में बेहतर प्रदर्शन प्रदर्शन को उत्पन्न करने के लिए यह निर्धारित करने के लिए जांच की जाती है। दोनों तौर-तरीके अपेक्षाकृत प्रभावी साबित हुए हैं, लेकिन जैसा कि पहले उल्लेख किया गया है, यह सवाल पूछा जाना चाहिए कि क्या वास्तव में एक दूसरे से बेहतर है।स्कूल का अनुभव, सामान्य तकनीकों का सबसे वास्तविक और सबसे ठोस है और यह सबसे सुलभ और अक्सर सबसे कम खर्चीला है

छात्र शिक्षक कक्षा में जानकारी के मुख्य स्रोत और डिस्पेंसर के रूप में स्कूल शिक्षक का निरीक्षण करते हैं। छात्र शिक्षक विषय वस्तु के बारे में दी गई जानकारी को समझते हैं और उसका पालन करते हैं। स्कूल अनुभवों की रणनीति छात्र शिक्षक को महत्वपूर्ण सोच के लिए आवश्यक कौशल, क्षमता, प्रक्रिया और दृष्टिकोन विकसित करने की अनुमति देती है। छात्र शिक्षक सीधे शिक्षण-शिक्षण प्रक्रिया का निरीक्षण करते हैं और एक जीवंत शिक्षक हास्य का उपयोग करता है जो एक अनुकूल कक्षा जलवायु की स्थापना के लिए एक मूल्यवान शिक्षण उपकरण है। यह निर्देशात्मक प्रभावशीलता में सुधार करता है और सकारात्मक कक्षा सीखने के लिए मौलिक है। छात्र समझता है कि कक्षा को शिक्षक की ओर से प्रयास, कौशल और चातुर्य चाहिए। छात्र अध्यापक उचित शैक्षणिक कार्यों, अपर्याप्त कक्षा ब्लॉकों के लिए बिना शर्त पर्यावरण जैसी समस्याओं का अवलोकन; ये समस्याएं शिक्षकों के लिए अपने कर्तव्यों को प्रभावी ढंग से निभाना असंभव बनाती हैं। हालांकि, कई कारक कक्षा में सफलता या विफलता का निर्धारण करते हैं, काफी हद तक, शिक्षक कक्षा में सामाजिक वातावरण का निर्धारण करता है। दीक्षा स्कूल के अनुभव के माध्यम से छात्र शिक्षक स्कूल शिक्षक और छात्र के बीच के रिश्ते को समझता है।

शोध के उद्देश:

1. छात्र शिक्षक के पेशेवर दृष्टिकोन प्रदान करना।
2. उन्हें शिक्षक जिम्मेदारी के प्रति जागरूक करना।
3. स्कूल परिसर का ज्ञान और समझ हासिल करना।
4. स्कूल में मानव संसाधन के कार्य और ऑनलाईन स्कूल के अनुभवों को जानना।
5. स्कूल के आसपास के समायोजन के लिए दृष्टिकोन और विचारों को विकसित करना।
6. स्कूल में ऑनलाईन स्कूल के अनुभवों के काम का मूल्यांकन करना।

अध्ययन का महत्व :

स्कूल के अनुभव से छात्र शिक्षक को स्कूल परिसर के ज्ञान और जानकारी को प्राप्त करने में मदद मिलेगी, स्कूल प्रशासक सकारात्मक शिक्षा की योजना बनाते हैं। यह उच्च सामाजिक और बौद्धिक मूल्यों को स्पष्ट करता है, क्योंकि स्कूल में स्पष्ट, तार्किक और जोरदार

सोच की आवश्यकता है और साहस, उपस्थिति का विकास करना है। मन की, स्कूल शिक्षकों की गतिविधि। स्कूल प्रणाली में होने वाले अनिवार्य रूप से सार्थक को पहचानने के लिए, अपनी अच्छी इच्छा को खोए बिना दूसरों की अक्षमताओं को दूर करने के लिए।

अध्ययन का दायरा :

इस अध्ययन में रा.भा.शिर्के,रत्नागिरी के सभी छात्रों, शिक्षकों, प्रधानाध्यापक, पर्यवेक्षक और कर्मचारियों को शामिल किया गया है। साथ ही २९ छात्र शिक्षक शिक्षा के सरकारी महाविद्यालय जो स्कूल का अनुभव लेते हैं, दोनों पुरुष और महिला शिक्षकों को बताते हैं।

अनुसंधान विधि :

इस अध्ययन शोधकर्ता ने उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए उपयुक्त सर्वेक्षण पद्धति को अपनाया। डेटा को स्कूल मानव संसाधनों में आंतरक्रिया और स्कूल परिसर की प्रकृति का निरीक्षण करने के लिए एकत्र किया गया था। इस सर्वेक्षण अध्ययन में, छात्र- शिक्षक, स्कूल शिक्षक और छात्रों को रा.भा.शिर्के,रत्नागिरी स्कूल में एक स्कूल परिसर और गतिविधि अवलोकन तकनीक की बारीकियों को सिखाया गया था। छात्र और शिक्षक, स्कूल भौतिक संसाधनों, स्कूल मानव संसाधनों के बीच कक्षा में सहभागिता।

अध्ययन का क्षेत्र :

यह महाराष्ट्र के कोल्हापुर राज्य में रा.भा.शिर्के,रत्नागिरी स्कूल में आयोजित किया गया था, रत्नागिरी में ३ स्कूलों में से एक माध्यमिक स्कूल का उपयोग अध्ययन के लिए किया गया था।

नमूना और नमूना तकनीक:

अध्ययन के नमूने में बारह 11 छात्र शिक्षक रा.भा.शिर्के,रत्नागिरी के यादृच्छिक रूप से चुना गया था। आठ शिक्षकों ने ऑनलाईन आंतरक्रिया का उपयोग करना सिखाया, दो छात्र-शिक्षकों ने शिक्षक पहल, छात्रों की प्रतिक्रिया और शिक्षक मूल्यांकन का उपयोग करते हुए पढ़ाया, जबकि दो शिक्षकों ने क्रमशः शिक्षण चक्रों का उपयोग करके पढ़ाया। और अन्य छात्र-शिक्षक स्कूल भौतिक और मानव संसाधन के बारे में जानकारी का निरीक्षण करते हैं और एकत्र करते हैं।

डेटा संग्रह के लिए अनुमतप्रक्रिया:

डेटा छात्र-शिक्षक के स्कूल के अनुभवों के दौरान एकत्र किया गया था। अवलोकन से पहले, शोधकर्ता ने रा.भा.शिर्के,रत्नागिरी स्कूल शोधकर्ता ने छात्र-शिक्षक २८ कार्य दिवसों में से प्रत्येक का अवलोकन करके निष्कर्ष निकाला। स्कूल में काम करने वाले अनुभवी **शिक्षकों के साथ बातचीत।डेटा विश्लेषण की विधि:**

इस अध्ययन में एकत्र किए गए आंकड़ों का विश्लेषण इस प्रकार किया गया था: लाभ और लाभ प्रतिशत में व्यक्त पाई चार्ट का उपयोग करके अनुसंधान प्रश्न का विश्लेषण किया गया था। ची वर्ग के आँकड़ों का उपयोग करके परिकल्पना का परीक्षण किया गया था।

स्कूल में मानव संसाधनों के साथ छात्र-शिक्षक की बातचीत को दर्शाने वाली तालिका।

ISSN–2278-5655

AMIERJ

Aarhat Multidisciplinary International Education Research Journal

Volume–X, Issues– II Jan –Feb 2021

मानव संसाधन के साथ सहभागिता				कुल	X^2 परिकलित किया गया
प्रधानाचार्य	पर्यवेक्षक	शिक्षक	कार्यालय के कर्मचारी		
Fo 8 Fe(6.20)	6 (6.82)	12 (12.96)	4 (4.96)	22	2.13
Fo 2 Fe(3.79)	5 (4.17)	4 (3.03)	5 (5.96)	14	
10	11	16	09	46	

ग्राफ 1 स्कूल में मानव संसाधनों के साथ छात्र-शिक्षक बातचीत दिखा रहा है

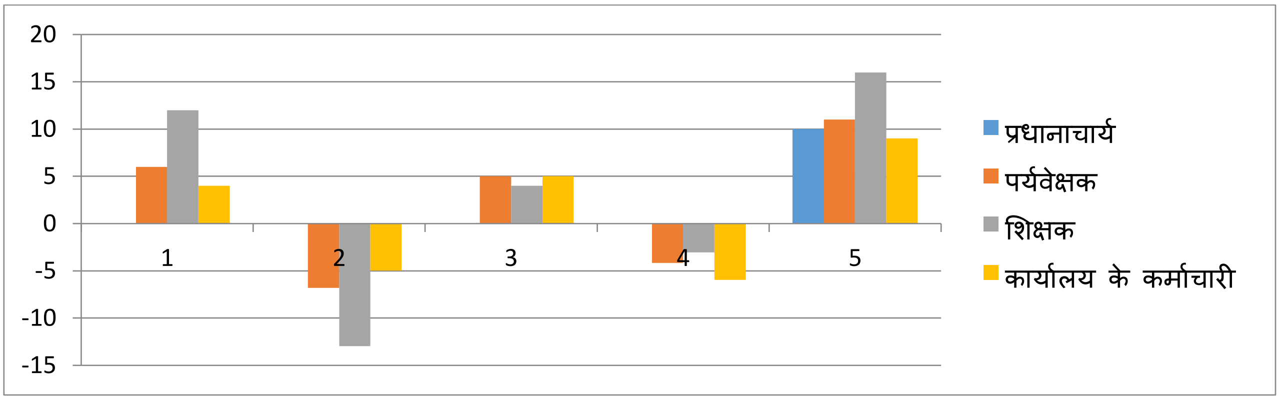

कार्यक्रमों के आकलन, समीक्षा और सुधार के लिए एक सतत, व्यवस्थित तंत्र स्थापित करने के लिए मूल्यांकन का पूरा बिंदु। इसलिए प्रत्येक कार्यक्रम मूल्यांकन योजना में यह निर्धारित करने के लिए स्पष्ट प्रक्रियाएं शामिल होनी चाहिए कि कौन से परिणाम मापा जाएगा; जब वे मापा जाएगा; कौन उन्हें मापेगा; जो उनका विश्लेषण करेगा; क्या परिणाम रिपोर्ट किया जाएगा, किसको; और परिणाम कैसे लागू किया गया है।वर्तमान में कार्यक्रम मूल्यांकन योजनाओं की जानकारी जुटाने के लिए पश्चिमी अकादमिक विभागों के वार्षिक सर्वेक्षण का उपयोग कर रहा है। इस प्रक्रिया को भविष्य में एक समान रिपोर्टिंग प्रारूप में संशोधित किए जाने की संभावना है जिसमें प्रोग्राम मिशन, लक्ष्य, उद्देश्य, परिणाम और प्रक्रियाएं शामिल हैं, साथ ही साथ कार्यक्रम सुधारों की एक संचयी लिस्टिंग है जो मूल्यांकन निष्कर्षों के परिणामस्वरूप बनाई गई है।इसलिए, प्रत्येक योजना के इस खंड में न केवल यह दिखाया जाना चाहिए कि प्रत्येक वार्षिक चक्र में सुधार के कार्यक्रम के लिए परिणाम कैसे लागू किए गए हैं, बल्कि यह भी विश्लेषण करना चाहिए कि कार्यक्रम प्रभावशीलता के बारे में क्या परिणाम कहते हैं और समय के साथ कार्यक्रम प्रभावशीलता पर मूल्यांकन-प्रेरित परिवर्तनों के प्रभाव के बारे में क्या कहते हैं।वर्तमान में पश्चिमी में शैक्षणिक इकाइयों के लिए कोई सामान्य मूल्यांकन गतिविधि रिपोर्टिंग आवश्यकता या प्रारूप नहीं है।

अतीत में, ऑनलाइन सर्वेक्षण के माध्यम से इकाइयों से मूल्यांकन की जानकारी एकत्र की गई है, और सर्वेक्षण से डेटा को एकत्र किया गया है और मान्यता के लिए और राज्य के लिए मूल्यांकन रिपोर्ट का निर्माण करने के लिए उपयोग किया जाता है।भविष्य में यह काफी संभावना है कि पश्चिमी अकादमिक इकाइयों के लिए कुछ सामान्य रिपोर्टिंग प्रारूप को अपनाएगा, जो आमतौर पर इस खंड में वर्णित संरचना का पालन करेगा और नीचे दिए गए आंकड़े में दिखाया जाएगा:

1. कार्यक्रम मिशन वक्तव्य
2. मिशन लक्ष्य के अनुरूप कार्यक्रम लक्ष्य
3. प्रत्येक लक्ष्य के लिए एकाधिक सीखने के उद्देश्य (सीखने के परिणाम)
4. प्रत्येक सीखने के उद्देश्य के लिए कई परिणामों का मापन
5. प्रत्येक सीखने के उद्देश्य के लिए मूल्यांकन मानदंड
6. डेटा विश्लेषण और कार्यक्रम में सुधार के लिए एक रूपरेखा
7. मूल्यांकन परिणामों के प्रलेखन ने कार्यक्रमों और मूल्यांकन मानदंडों और प्रक्रियाओं दोनों में कैसे सुधार किया है।

निष्कर्ष और सुझाव:

अंत में, हमारा आरोप व्यावसायिक ज्ञान (विशेष रूप से सामग्री ज्ञान) के शिक्षण और सीखने में नवीन प्रथाओं की जांच करना था। ऑनलाइन शिक्षा और अनुसंधान दोनों में बहुत अच्छा काम है-वर्तमान में व्यावसायिक विकास चल रहा है, जिनमें से कुछ पर हमने यहां प्रकाश डाला है। शिक्षण और सीखने की प्रकृति और शिक्षण के पेशेवर ज्ञान के आधार पर समान रूप से अच्छा काम किया जा रहा है। साहित्य की हमारी समीक्षा हमें यह निष्कर्ष निकालने के लिए प्रेरित करती है कि; हम कई परियोजनाओं का पता लगाने में सक्षम थे जो शिक्षकों को सीखने का अवसर प्रदान करते थे, कुछ ऐसी परियोजनाओं ने अभी तक विश्लेषण को पूरा किया था कि शिक्षार्थियों के उन समुदायों में क्या पेशेवर ज्ञान प्राप्त किया गया था। कुछ सिद्धांतों का परीक्षण करने के लिए शिक्षकों ने कैसे सीखा और डिजाइन किया, इसके बारे में अभी भी कम ही उनके सिद्धांतों का पता लगाया था। व्यावसायिक ज्ञान के शिक्षण और सीखने पर अच्छे शोध का भविष्य, शिक्षण और सीखने, व्यावसायिक विकास, शिक्षक ज्ञान और छात्र सीखने के क्षेत्रों के विचारों को एक साथ बुनने की हमारी क्षमता में निहित है जो बड़े पैमाने पर एक दूसरे से स्वतंत्र रूप से संचालित होते हैं।

सन्दर्भ: -

ब्राउन, के.जी. : (2001)। प्रशिक्षण देने के लिए कंप्यूटर का उपयोग करना: जो कर्मचारी सीखते हैं और क्यों? व्यक्तिगत मनोविज्ञान, 54, 271-296।

बुच, एम.बी. : (1983), "शिक्षा में अनुसंधान का चौथा सर्वेक्षण" नया दिल्ली; राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद।

बुच, एम.बी. : (1992), "शिक्षा में अनुसंधान का पांचवां सर्वेक्षण," नया दिल्ली; राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद।